www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शुक्रवार
21 नवंबर 2025, नई दिल्ली*गाजियाबाद

• पांच प्रदेश • 23 संस्करण

ट्रंप बोले, अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत करूंगा

उड़ानें शुरू करने के लिए इसी महीने लाइसेंस मिलने की उम्मीद

नोएडा एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता । नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों के लिए 30 नवंबर तक एयरोड्रम लाइसेंस मिलने की संभावना है। लाइसेंस मिलने के बाद ही विमान सेवा शुरू करने की तिथि घोषित होगी।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बकास), एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई), इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया एयरलाइंस के अधिकारियों ने गुरुवार को एयरपोर्ट का दौरा कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया और सुरक्षा उपकरणों को परखा। इसके बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) और यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) के अधिकारियों के साथ बैठक की। नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि तीन नवंबर को सुरक्षा उपकरणों के परीक्षण में कुछ कमियां मिली थीं। इन्हें दूर कर आज दोबारा परीक्षण किया गया, जिसमें सभी ठीक से काम करते पाए गए। इनमें एंटी हाई जैकिंग, बॉम्ब स्क्वॉयड समेत अन्य सुरक्षा गतिविधियां शामिल हैं। अब 24 नवंबर को एयरपोर्ट की पूरी सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण होगा। यदि सभी सिस्टम ठीक पाए गए तो उसके एक सप्ताह के भीतर एयरोड्रम लाइसेंस जारी हो जाएगा। यह व्यावसायिक उड़ानें शुरू होने से पहले की आखिरी बड़ी औपचारिकता है। हालांकि, शुभारंभ को लेकर प्रधानमंत्री का समय मिलने के बाद ही तिथि घोषित होने का अनुमान है। डीजीसीए ने 31 अक्तूबर और चार नवंबर को दो चरणों में फ्लाइट कैलिब्रेशन टेस्ट के तहत रनवे पर लगे उपकरणों की जांच की थी। इस अध्ययन में एयरपोर्ट पास हो चुका है। हालांकि, अभी बकास से पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा पर एनओसी की जरूरत है।

एयरपोर्ट पर इन जरूरी सुविधाओं का काम पूरा

एयरोड्रम लाइसेंस पाने के लिए एयरपोर्ट को कई मानकों पर खरा उतरना होता है। जैसे रनवे की क्षमता, सुरक्षा क्षेत्रों का अनुपालन, टैक्सी-वे, एप्रन की उपलब्धता, पर्याप्त रोशनी, नेविगेशन सिस्टम, मौसम, उड़ान से जुड़ा डाटा आदि। साथ ही उड़ान के लिए तैयार स्टाफ, पर्याप्त फायर और रेस्क्यू टीम, इमरजेंसी प्लान, वन्यजीव नियंत्रण, मजबूत सुरक्षा और ग्राउंड-हैंडलिंग सिस्टम भी जरूरी हैं। यह सभी सुविधाएं एयरपोर्ट पर पूरी हो चुकी हैं।

उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के लिए बसें चलेंगी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उत्तर प्रदेश के 10 जिलों के लिए सीधी बसें चलेंगी। इसके लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (यापल) ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के साथ समझौता किया है।

नोएडा एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। दिसंबर में उड़ानें प्रस्तावित हैं। ऐसे में एयरपोर्ट बना रही कंपनी ने आसपास के शहरों और जिलों की कनेक्टिविटी के लिए काम शुरू कर दिया है। यापल और यूपीएसआरटीसी के समझौते के तहत एयरपोर्ट से नोएडा, ग्रेनो के साथ ही गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन और हाथरस जैसे सांस्कृतिक, धार्मिक और व्यावसायिक शहरों के लिए बसें चलाई जाएंगी। आगरा, अलीगढ़, मथुरा और हाथरस के लिए सीधी बसें चलेंगी। इससे एयरपोर्ट आने-जाने वाले यात्रियों को आरामदायक परिवहन मिलेगा। बुलंदशहर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, हापुड़, मुरादाबाद और शिकोहाबाद जैसे शहर भी बसों के जरिये नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ जाएंगे।